LOK SABHA

Monday, 13th May, 1957

The Lok Sabha met at Twelve of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

(No Questions)

MEMBERS SWORN

Mr. Speaker: Those hon. Members who have not already taken the oath will do so now.

Shri Ram Sahai (Khajuraho).

Shri Amjad Ali (Dhubri).

Shri Digvijaya Narain Singh (Pupri).

Shri V. P. Nayar (Quilon).

Shrimati Rani Kesharkumari Devi (Raipur—Reserved).

Shri M. Khuda Baksh (Murshidabad).

Shri Sadhan Gupta (Calcutta —East).

Shri Suresh Chandra Choudhury (Dumka).

Mr. Speaker: Is there any other Member who has not so far taken the oath? None.

PAPERS LAID ON THE TABLE

PRESIDENT'S ADDRESS

Secretary: Sir, I lay on the Table a copy of the President's Address to both Houses of Parliament assembled together on the 13th May, 1957.

PRESIDENT'S ADDRESS

राष्ट्रपति : संसद् के सदस्यगण, देश के लगभग २० करोड़ निर्वाचकों द्वारा चुने गए

आप लोगों ने और राज्यों के विधान मंडलों के सदस्यों ने, हमारे संविधान की प्रक्रियाओं के अनुसार, एक बार फिर इस गणराज्य के राष्ट्रपति के उच्च पद के लिए मुझे चुना है। मैं इस आदर से पूरी तरह अभिज्ञ हूं और आपने जो विश्वास मुझ में प्रकट किया है उसके लिए आपका आभारी हूं। मेरा यह प्रयत्न रहेगा कि जिस विश्वास और प्रेम का इतने समय से मैं पात्र रहा हूं, सदा उसके योग्य बना रहूं।

हमारे गणराज्य के इतिहास में यह दूसरी संसद् है और इसके सदस्यों के रूप में आपका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आप में से कुछ लोग संसद् के किसी एक सदन के सदस्य रहे हैं अथवा राज्यों के विधान मंडलों से बहुमूल्य सांसद अनुभव अपने साथ ले कर आए हैं। आप लोगों में कुछ ऐसे भी हैं जो संसद् के लिए पहली बार चुने गए हैं। आप सब को अपने जीवन में तथा संसद् के सदस्य के रूप में इस संसद् के अन्दर और चुनाव क्षेत्रों में अपने देशवासियों की सेवा के रचनात्मक काम के लिए विभिन्न और व्यापक अवसर मिलेंगे।

हमारी द्वितीय पंचवर्षीय योजना का यह दूसरा साल है। योजना के पहले वर्ष में हमारी गति अनिवार्य रूप से कुछ मन्द हुई है, जिसका कारण किसी हद तक राज्यों का पुनर्गठन है। इसके कारण हम पर अधिक दबाव पड़ा है और इस बात की आवश्यकता है कि योजना की शेष अवधि में सरकार और जनता द्वारा और अधिक परिश्रम किया जाए। मेरी सरकार इस बातें को भली प्रकार जानती है।